16.11.2017

राष्ट्रीय खबर

योगदा सत्संग आश्रम में राष्ट्रपति ने ईश्वर-अर्जुन संवाद का किया लोकार्पण

राष्ट्रीय खबर – 16/11/17

कुरूक्षेत्र की लड़ाई स्वयं लड़नी होगी : राष्ट्रपति

संवाददाता

रांची : राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि हर व्यक्ति के मन में एक युद्ध चल रहा होता है। इस कुरूक्षेत्र की लड़ाई स्वयं लड़नी है और खुद ही जीतना है, क्या करना है, क्या नहीं करना है और जीतने के लिए विद्वता की नहीं, बल्कि विवेक की जरूरत होती है। यह विवेक केवल और केवल अध्यात्मिकता से ही आती है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बुधवार को रांची में योगदा सत्संग आश्रम में योगदा सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित गॉड टू टॉक विद अर्जुन के हिन्दी संस्करण ईश्वर-अर्जुन संवाद के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी योग की विभिन्न पद्धतियों से परिचित है और गीता का आचरण लोगों को तमाम झंझावात में भी स्थिरता प्रदान करता है। सफलता-असफलता और जय-पराजय सभी में गीता का संदेश महत्वपूर्ण है। गीता का अंतिम श्लोक व्यक्ति के कौशल विकास और विजय सुनिश्चित करने में समन्वय के रास्ते को बताता है। परमहंस योगानंद के अध्यात्म का संदेश सभी धर्मों को सम्मान और विश्व बंधु का नजरिया देता है।

वातावरण और प्राकृतिक दृश्य का अनूठा मेल

उन्होंने कहा कि रांची के योगदा सत्संग आश्रम के वातावरण और प्राकृतिक दृश्य में अनूठा मेल दिखता है। यहां आने से पहले उनके मन में आया था कि योगदा सत्संग कोई छोटा से मंदिर होगा, मेडिटेशन सेंटर या छोटा से कंपाउंड होगा, लेकिन यहां आने पर उन्हें स्वामीजी ने बताया कि 18.20 एकड़ में यह परिसर फैला है। इस परिसर में जिस वृक्ष के नीचे स्वामी का चित्र लगा है, वह भी अलौकिकता को लेकर करीब 100 वर्ष से खड़ा है।

योग पर लिखित पुस्तक का प्रकाशन समयानुकूल

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने देश-विदेश से आये योगदा सत्संग के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि परमहंस योगानंद द्वारा योग पर लिखित पुस्तक का प्रकाशन समयानुकूल है। उन्होंने बताया कि गीता से संबंधित एक अन्य कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए उन्हें आमंत्रण मिला है, कुरूक्षेत्र को गीता ज्ञान का केंद्र बताया जाता है और वहां 25 से 30 नवंबर तक एक सप्ताह तक अंतरराष्ट्रीय गीता ज्ञान महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने बताया कि 1995 में इस पुस्तक का अंग्रेजी, स्पेनिस, इटालियन समेत कई अन्य भाषाओं में प्रकाशन हो चुका है और अब हिन्दी में इसके प्रकाशन से लोगों को जीवनोपयोगी ज्ञान मिल सकेगा। इसके लिए वे स्वामी नित्यानंद जी का आभार व्यक्त करते हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने योगदा सत्संग द्वारा गरीबों के कल्याण और समाज के अन्य क्षेत्रों में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। मौके पर राज्यपाल द्रौपदी मुर्मु, मुख्यमंत्री रघुवर दास, स्वामी नित्यानंद गिरि, स्वामी निदानंद गिरि समेत योगदा सत्संग के कई स्वामी, राज्य सरकार के कई मंत्री, सांसद, विधायक और प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।